द्वारा चित्रकूट के वनांचल में चल रहे स्वावलंबन के काम को जाना गया। राम के आदर्शों को चित्रित करने वाले स्थल रामदर्शन भी राष्ट्रपति गए और राम के आदर्शपूर्ण जीवन के प्रदर्शित करते चित्र में सभी पहलुओं को समझा।

राष्ट्रपति माननीय रामनाथ कोविंद चित्रकूट में महामहीम के रूतबे से एकदम भिन्न थे। वह हैलीपैड से ई-रिज्शा से सियाराम कुटी पहुंचे। सियाराम कुटीर वह जगह है, जहां रहकर नानाजी ने वनांचल के विकास की नींव डाली थी। वहां श्रद्धेय नानाजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद वह आरोग्यधाम परिसर पहुंचे। आरोग्यधाम नानाजी की देखरेख में बना चित्रकूट में वह स्थान है, जहां प्रकृति को सजीव रखा गया है। वहां